पावस सत्र समापन अवसर पर

माननीय विधानसभा अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

शुक्रवार 19 जुलाई, 2019

पंचम विधानसभा के **द्वितीय सत्र** का आज अंतिम कार्यदिवस है यह पावस सत्र दिनांक **12 जुलाई से 19 जुलाई** के मध्य आहूत था इस सत्र के समापन अवसर पर मैं सर्वप्रथम सदन के नेता और माननीय नेता प्रतिपक्ष एवं समस्त माननीय सदस्यों के प्रति इस सत्र के सुव्यवस्थित संचालन में सहभागिता और सहयोग के लिये हृदय से धन्यवाद देता हूं।

मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि छत्तीसगढ़ की **पंचम विधानसभा** के माननीय सदस्यों में संसदीय विषयों के प्रति जहां एक ओर जिज्ञासा है वहीं दूसरी ओर जनसेवा के कार्यों को करने की अदभुत ललक भी विद्यमान है, यही ललक आपको एक कुशल जनप्रतिनिधि बनायेगी।

सत्र के समापन अवसर पर मेरा आप सभी से यह विशेष आग्रह है कि आप प्रत्येक परिस्थिति में अपनी वाणी पर संयम रखने का प्रयास करें और मुझे विश्वास है कि आप मेरे अनुरोध को भविष्य में अवश्य स्मरण रखेंगें। इस संदर्भ में **पूज्य कबीरदास जी** ने भी कहा है कि.....

''ऐसी वाणी बोलिये, मन का आपा खोए ।
औरन को शीतल करे, आपहूं शीतल होए।।''

पंचम विधानसभा में प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों की संख्या भले ही कम है परंतु प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यगणों की वरिष्ठता और अनुभव से सदन में मैं एक सशक्त प्रतिपक्ष को अनुभव कर रहा हूं ।

सदन के नेता माननीय **मुख्यमंत्री जी** की मैं इस बात के लिये विशेष रूप से प्रशंसा करना चाहूंगा कि विपरीत पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद सदन की कार्यवाही में सहभागी रहे जनसेवा के प्रति उनकी यह जीवटता और संसदीय सदन के प्रति उनका यह सम्मान अनुकरणीय है।

मुझे आपको यह अवगत कराते हुए भी हर्ष हो रहा है कि वर्ष **2019 राश्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती का 150वां वर्ष** है, उनका पावन स्मरण करने और उन्हें श्रद्वांजलि देने के उद्‌देश्य से **2 अक्टूबर** को छत्तीसगढ़ राज्य विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित करने पर सहमति हुई है ।

अब मैं आपको इस सत्र में सम्पादित कार्यों के बारे में सांख्यिकीय आंकड़ों से अवगत कराना चाहूँगा। इस सत्र की कुल 5 बैठकों में लगभग 23 घंटे 15 मिनट चर्चा हुई। इस सत्र में तारांकित प्रश्नों की 495 एवं अतारांकित प्रश्नों की 451 इस प्रकार कुल 946 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुईं जिसमें से 52 प्रश्नों पर सभा में अनुपूरक

प्रश्न पूछे गये । ध्यानाकर्षण की कुल 257 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिनमें से 60 सूचनाएं ग्राह्य हुईं और 50 सूचनायें शून्यकाल सूचना में परिवर्तित की गई । स्थगन की कुल 96 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें से एक विषय से संबंधित 13 सूचनाओं को ग्राह्य कर चर्चा करायी गयी एवं एक विषय से संबंधित 3 सूचनाओं को सदन में पढ़ने एवं शासन का वक्तव्य सुनने के पश्चात् अग्राह्य किया गया । शून्यकाल की 87 सूचनाएँ प्राप्त हुईं जिसमें से 62 सूचनाएं ग्राह्य और 25 सूचनाएं अग्राह्य रही। माननीय सदस्यों द्वारा 71 याचिकायें प्रस्तुत की गई, जिनमें से 21 ग्राह्य व 50 अग्राह्य रही।

इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित 7 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई और सभी चर्चा उपरांत पारित हुए। वित्तीय कार्यों के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक अनुमान पर 5 घंटे 4 मिनट चर्चा हुई ।

प्रदेश की सर्वोच्च प्रजातांत्रिक संस्था छत्तीसगढ़ विधान सभा के कार्यकरण से सीधे तौर पर आम जनता को भिज्ञ कराने के उद्देश्य से सदन की कार्यवाही के अवलोकन हेतु आम नागरिकों को अवसर दिया जाता है। इस तारतम्य में लगभग 5200 नागरिकों ने इस सत्र में सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

मैं इस अवसर पर सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने सभा की कार्यवाही के संचालन में मुझे सहयोग दिया। मैं प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के सम्माननीय पत्रकार साथियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया साथ ही रायपुर दूरदर्शन के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने प्रश्नकाल का जीवंत प्रसारण किया ।

इस सत्र के समापन अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूं, सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सत्र के दौरान कायम रखी। मैं विधान सभा के सचिव सहित सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं, जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया।

सत्र समापन अवसर पर आगामी सत्र की तिथियों की घोषणा की परंपरा रही है तद्नुसार चूंकि पंचम विधान सभा का आगामी विशेष सत्र 2 अक्टूबर को होना संभावित है तथा शीतकालीन सत्र के संबंध में तत्समय सदस्यों को अवगत कराया जायेगा ।

आईये हम सब मिलकर अपने छत्तीसगढ़ राज्य को समग्र उन्नति के शीर्ष पर पहुंचाने का पुनीत संकल्प लें।

धन्यवाद

जय– हिन्द, जय– भारत, जय– छत्तीसगढ़ !